राह में पग-पग पर बाधाएं

मांग 110 लाख यूनिट प्रतिदिन, आपूर्ति हो रही मात्र 80 लाख

उपलब्ध बिजली का भी ठीक तरीके से नहीं हो रहा वितरण

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता : जिले में समुचित बिजली आपूर्ति के लिए ढांचागत व्यवस्था में एक नहीं, कई गतिरोध हैं। फरीदाबाद सर्कल में बिजली की मांग 110 लाख यूनिट प्रति रोज की है तो आपूर्ति की सुई 80 लाख पर अटकी हुई है।

जो उपलब्ध है, उसका भी उपभोक्ता के घर, दुकान या संस्थान तक ठीक तरीके से वितरण नहीं हो रहा है। आपूर्ति में गतिरोध के लिए उत्पादन न होना, सिस्टम ओवर लोड, तकनीकीकर्मी का अभाव और संसाधनों की कमी जिम्मेदार है।

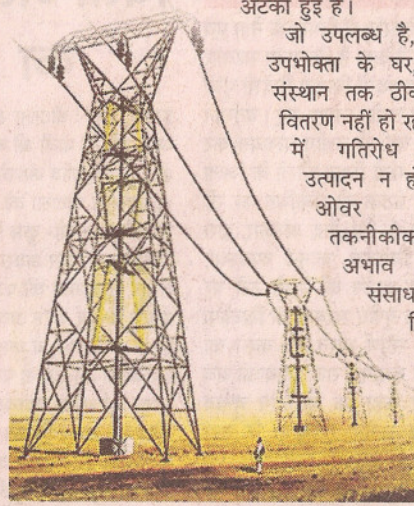

बिजली की कमी

पूरे प्रदेश में इस समय 11 हजार मेगावाट बिजली की जरूरत है। इसके मुकाबले उपलब्धता सिर्फ चार हजार मेगावाट के आसपास है।

सिस्टम पर ओवरलोड

बिजली निगम के विभिन्न 33 व 66केवी सबस्टेशन ओवरलोडेड हैं। इस कारण जो बिजली उपलब्ध भी होती है तो उसका भी समुचित ढंग से वितरण नहीं हो पाता, क्योंकि सिस्टम गर्म हो जाता है और उसे नियमित अंतराल पर बंद न किया जाए तो उसके पूरी तरह से ठप होने का खतरा रहता है। यही वजह है कि थोड़े-थोड़े अंतराल पर बिजली दी जाती है।

एजेंसियों में नहीं तालमेल

हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड को तोड़ कर बिजली निगम बनाया गया, जिसमें वितरण के लिए डीएचबीवीएन, प्रसारण के लिए एचवीपीएन और उत्पादन के लिए एचपीजीसीएल को जिम्मेदारी दी गई।

इन तीनों एजेंसियों में कोई तालमेल नहीं है, जिसका सीधा असर अंत में समुचित बिजली आपूर्ति पर पड़ता है।

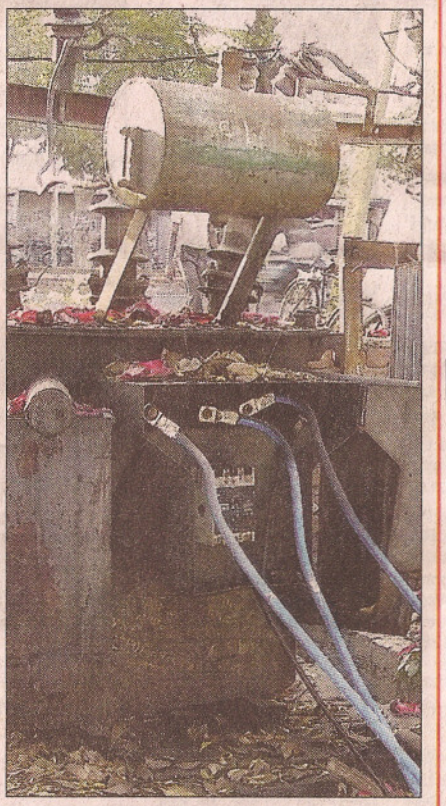

हो रहे हैं उपाय : बिजली मंत्री

महेंद्र प्रताप सिंह

प्रदेश के बिजली मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार सरकार हर वर्ग को पूरी बिजली देने के लिए कृत संकल्प है और जो भी गतिरोध हैं, उन्हें दूर किया जा रहा है। बिजली की कमी न रहे, इसके लिए बाहरी राज्यों से बिजली खरीदने की योजना पर काम हो रहा है। ओवरलोड सिस्टम की समस्या को देखते हुए पिछले दिनों 66केवी के कई सबस्टेशनों पर अधिक क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। साथ ही जर्जर लाइनों को बदला जा रहा है। कर्मियों की कमी है, लेकिन जब तक नई भर्ती नहीं हो जाती, तब तक आउटसोर्सिंग से काम लिया जा रहा है।

व्यवस्था ढर्रे पर नहीं आई

सुनील गुलाटी

एएस गुलाटी

एफआईए के पूर्व प्रधान उद्यमी सुनील गुलाटी के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से काम न होने व काम में ईमानदारी का अभाव ऐसे प्रमुख कारक हैं, जिस वजह से आज तक बिजली व्यवस्था ढर्रे पर नहीं आई। कान्फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए के महासचिव एएस गुलाटी कहते हैं कि बढ़ती शहरी आबादी व विकास के अनुरूप सरकार ने जरूरी कदम नहीं उठाए। दूसरा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की ज्यादा कोशिशें होनी चाहिए। व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भाटिया के अनुसार बिजली न होने से व्यापार-उद्योग धंधे चौपट हैं और पिछले छह वर्षों से यह सुनते-सुनते लोगों के कान पक गए हैं कि अगले दो साल में 24 घंटे बिजली मिलेगी। ट्रांसपोर्टर सुरेश अरोड़ा कहते हैं कि ग्रेटर फरीदाबाद के रूप में एक और नया शहर विकसित हो रहा है। आईएमटी बनने की बात हो रही है। इसके लिए बिजली कहां से आएगी, इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

जगदीश भाटिया

सुरेश अरोड़ा

संसाधनों का अभाव

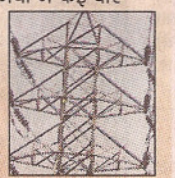

फ्यूज उड़ने, जंपर व लाइन टूटने की शिकायतें पिछली गर्मियों में कई बार सामने आई थीं। चूंकि निगम में समुचित संसाधनों (सीढ़ी और हाइड्रोलिक वाहन) का अभाव है, ऐसे में लाइनमैन स्टाफ को मिनटों में दूर होने वाले फाल्ट को ढूंढ़ने में ही घंटों लगते हैं। इसके अलावा इस सिस्टम में आई खराबी को दूर करने के लिए तकनीकी कर्मी यानी सहायक लाइनमैन की जबर्दस्त कमी है।